स्वर्ण दिल्ली
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 12, अंक 278 नई दिल्ली
बुधवार, 13 नवंबर 2024, पृष्ठः 8 मूल्यः 5 रुपये

तिहाड़ में यासीन मलिक की भूख हड़ताल खत्म

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल अधिकारियों ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया कि अलगाववादी नेता और सजायाफ्ता यासीन मलिक ने अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी है। उन्हें आवश्यक चिकित्सा दी जा रही है। दरअसल, मलिक ने अपने कथित बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण एम्स में भर्ती होने की मांग की है। इसपर केंद्र सरकार ने जवाब दाखिल करने से पहले जेल अधिकारियों द्वारा चिकित्सा स्थिति रिपोर्ट की समीक्षा करने के लिए अतिरिक्त समय का अनुरोध उच्च न्यायालय से किया। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद इस मामले में अगली सुनवाई 18 नवंबर के लिए निर्धारित की है। इस बीच पीठ ने जेल अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि मलिक को जेल नियमावली के अनुसार उचित चिकित्सा मिले। पेश मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने बीते शुक्रवार को यासीन मलिक द्वारा दायर याचिका पर केन्द्र सरकार, तिहाड़ जेल के महानिदेशक और अन्य संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किया था। मलिक ने याचिका में दावा किया है कि आवश्यक चिकित्सा उपचार से कथित इनकार के कारण वह एक नवंबर से भूख हड़ताल पर हैं। मलिक के वकील की तरफ से पेश दलीलों पर विचार करने के बाद पीठ ने संबंधित जेल अधीक्षक से मलिक की चिकित्सा स्थिति रिपोर्ट मांगी। दरअसल, इस साल की शुरुआत में यासीन मलिक ने अपर्याप्त इलाज, गंभीर हृदय और गुर्दे की समस्याओं का हवाला देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

सरकार न केवल स्कूल चला सकती है, बल्कि उन्हें शानदार भी बना सकती है : केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर देश के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आज़ाद इस देश में पैदा होने वाले हर बच्चे को अच्छी से अच्छी शिक्षा मुहैया कराने के पक्षधर थे। उनका यह सपना देश की राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार ने पूरा करने काम किया है। हमारी सरकार ने दिल्ली में यह साबित किया है कि सरकार न केवल सरकारी स्कूल चला सकती है, बल्कि उन्हें शानदार भी बना सकती है। इसका परिणाम यह है कि आज दिल्ली में संपन्न लोग भी प्राइवेट स्कूलों से अपने बच्चों को निकलकर उनका सरकारी स्कूलों में एडमिशन करा रहे हैं।

देश के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की स्मृति में हर साल 11 नवंबर को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि जहां पहले सरकारी स्कूलों की बात तक नहीं होती थी, आज वहां से गरीब परिवारों के बच्चे आईआईटी, जेईई और नीट जैसी परीक्षाएं पास कर रहे हैं, डॉक्टर, इंजीनियर, अफसर बन रहे हैं। और तो और अब लोग प्राइवेट स्कूल छोड़कर सरकारी स्कूलों में आ रहे हैं।

दिल्ली में हमने साबित किया है कि सरकार न केवल स्कूल चला सकती है, बल्कि उन्हें शानदार भी बना सकती है। देश के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद जी का सपना था कि हर बच्चे को बेहतरीन शिक्षा मिले। आज दिल्ली के सरकारी स्कूल उस सपने को सच कर रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सब जानते हैं कि शिक्षा हमारी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। हम इस पर यकीन करते हैं और यह हमारी आइडियोलॉजी का हिस्सा है कि बिना शिक्षा के किसी भी देश का विकास नहीं हो सकता। पहले की सरकार कहती थी कि सरकारी स्कूल ठीक नहीं हो सकते। सरकार स्कूल नहीं चला सकती, लेकिन हमने दिखा दिया कि सरकार स्कूल चला सकती है।

छंद विधान विशेष पर लिखी हुई पुस्तक हिंदी छंद मंजूषा का हुआ लोकार्पण

नई दिल्ली। दिल्ली हिंदी साहित्य सम्मेलन के द्वारा छंद के विद्वान आचार्य अनमोल की पुस्तक का लोकार्पण हिंदी भवन नई दिल्ली में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार इंदिरा मोहन ने की। कार्यक्रम में सारस्वत अतिथि के रूप में वैश्विक हिंदी परिवार के अध्यक्ष एवं हिंदी भाषा के मर्मज्ञ अनिल जोशी उपस्थित रहे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के साहित्य विभाग के प्रोफेसर बी नंदा उपस्थित रहे। इसी अवसर पर अमेरिका से पधारे हुए प्रसिद्ध छंद कवि एवं साहित्य मंच के अध्यक्ष इंद्रदेव मिश्र 'देव' उपस्थित रहे।

सम्मानित अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय कवि गजेंद्र सोलंकी का सामीप्य मिला तथा कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो० जगदेव कुमार शर्मा उपस्थित रहे। इसी अवसर पर हिंदी भवन के सचिव डॉ गोविंद व्यास भी मंच पर उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है छंद शास्त्र के विद्वान आचार्य अनमोल द्वारा लिखित छंद विधान की पुस्तक हिंदी छंद मंजूषा वर्तमान समय में छंद शास्त्र सीखने के लिए तथा छंद प्रेमियों को मार्गदर्शन देने के लिए बहुत ही प्रासंगिक है। वास्तव में ऐसी पुस्तक वर्तमान समय में या तो लिखी नहीं जा रही अथवा थोड़े से विषय को लेकर ही लिखी जा रही हैं।

इस पुस्तक में आचार्य अनमोल ने छंद लेखन के ज्ञान को उदाहरण सहित लिखकर गागर में सागर भर दिया है। इस ग्रंथ के प्रारंभ में शब्द शक्ति, काव्य में आने वाले दोषों का परिहार, कविता और गीत में मौलिक अंतर आदि को बड़े विस्तार के साथ बताया गया है। विषय के वर्णन में उन्होंने काव्य में प्रयोग होने वाले 80 छंदों का वर्णन अपने ही उदाहरण द्वारा किया है।

मुक्त छंद और छंदोबद्ध कविता के अंतर को बड़े ही प्रामाणिक ढंग से बताया है। आचार्य अनमोल ने स्पष्ट कहा है की जितनी काव्य की गरिमा और काव्य शक्ति छंदोबद्ध कविता में होती है, उतनी मुक्त छंद, नई कविता, अकविता और प्रयोगवादी कविता में नहीं होती। इसीलिए छंद में लिखी हुई कविता को लोग आज घरों में गुनगुनाते हुए मिल जाते हैं।

पुस्तक के लेखक आचार्य अनमोल ने आगे बताया है कि कुछ ऐसे स्वयंभू छंद हैं, जिन्हें कुछ तथाकथित कवि अनावश्यक रूप से बढ़ावा दे रहे हैं। ग्रंथ के आखिरी में लेखक ने नवोदित कवियों को संबोधित करते हुए एक सारगर्भित लेख लिखा है। इस लेख में उन्होंने बताया है की कविता लेखन प्रेम के कारण कुछ लोग सहज और आरामदायक कविता को चुन रहे हैं, जिनका कोई विशेष औचित्य नहीं है।

RNI No. DELHIN/2013/48040 संपादकः सुषमा शर्मा newsswarnadelhi@gmail.com

सम्पादक की कलम से

जलवायु कोष का सम्मेलन

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन का सालाना सम्मेलन 'कॉप २९' अजरबेजान की राजधानी बाकू में 11 नवंबर से शुरू हुआ है। सम्मेलन और संवाद करीब 15 दिनों तक चलेंगे। सम्मेलन का बुनियादी थीम 'वित्तपोषण' तय किया गया है। करीब 15 साल के बाद जलवायु कोष और संसाधनों के दिशा-निर्देश तय किए जाएंगे। जलवायु परिवर्तन के क्रांतिकारी प्रयास निरंतर जारी रहें, उनके लिए आर्थिक संसाधनों की ऐसी चिंता पहली बार की गई है। यह सिर्फ विकासशील, गरीब, पिछड़े देशों की ही समस्या नहीं है, बल्कि बड़े और विकसित देश भी चक्रवात, तूफान, बाढ़ जैसी बारिश, मरुस्थल जैसे सूखे और बढ़ती गर्मी को झेलते रहे हैं। वहां भी व्यापक नुकसान होता है, लोग हताहत होते हैं। जलवायु की गर्मी और निरंतर परिवर्तन वैश्विक समस्या है। जब 'कॉप २९' का सम्मेलन आरंभ हुआ है, तब दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमरीका में डोनाल्ड ट्रंप नए राष्ट्रपति चुने गए हैं। ट्रंप ने पिछले कार्यकाल में 'पेरिस जलवायु समझौते' को खारिज करते हुए अमरीका को उससे अलग कर लिया था। इस बार जब राष्ट्रपति ट्रंप का दूसरा कार्यकाल शुरू होगा, तब भी अमरीका की सोच और रवैया पूर्ववत ही होगा, ऐसे संकेत मिल रहे हैं। 'कॉप २९' के सामने अनिश्चित भविष्य और वित्तीय संकट हैं। जलवायु परिवर्तन के २००९ के 'कोपेनहेगन सम्मेलन' के दौरान तय किया गया था कि विकसित देश २०२० तक 100 अरब डॉलर प्रति वर्ष का कोष जुटाएंगे। उससे कमजोर, गरीब, विकासशील देशों की मदद की जाएगी, ताकि वे जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को संबोधित कर सकें। २०२२ तक लक्ष्य आंशिक तौर पर ही हासिल किया जा सका। इस दौरान 'ग्लोबल साउथ' के वित्तीय बोझ उससे कई गुना बढ़ गए, जिसके अनुमान 'कोपेनहेगन सम्मेलन' के दौरान लगाए गए थे। 'कॉप २९' बाकू में नया वित्तीय लक्ष्य तय करेगा। चूंकि अमरीका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और सबसे अधिक 'ग्रीन हाउस गैसों' का उत्सर्जन भी करता है, लिहाजा अमरीका को अपनी जिम्मेदारियों से भागना नहीं चाहिए। यदि ऐसा होता है और अमरीका जलवायु परिवर्तन समझौते से अलग रहता है, तो 'कॉप २९' के लक्ष्यों को पूरा नहीं किया जा सकता। इस बार चीन और खाड़ी देशों के वित्तीय योगदान के भी प्रयास किए जा रहे हैं। जो देश ऐसे योगदान से इंकार करते रहे हैं, क्योंकि उन देशों के लिए जलवायु संकट के हालात नहीं हैं, उनसे भी आर्थिक मदद मांगी जाएगी। उन देशों का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अमीर पश्चिमी देशों की तुलना में नगण्य-सा है। तेल और गैस का योजनाबद्ध विस्तार का आधे से ज्यादा हिस्सा पांच अमीर देशों का ही है। यह गौरतलब रहेगा कि बाकू सम्मेलन के दौरान भू-राजनीतिक न्याय, विकास और कर्ज सरीखे मुद्दों पर क्या संवाद होता है और क्या निष्कर्ष सामने आते हैं?

सुषमा शर्मा

भारतीय कृषि में तकनीकी प्रगति से असीम संभावनाएं

इसमें कोई शक नही कि आनुवंशिक रूप से संशोधित तकनीक भारत में न केवल फसलों की पैदावार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ा सकती है बल्कि यह तकनीक कृषि स्थिरता लाने में भी सहायक हो सकती है। भारत की कृषि पैदावार वैश्विक मानकों से बहुत कम है। उदाहरण के लिए, जहाँ भारत प्रति हेक्टेयर 479 किलोग्राम कपास पैदा करता है, वहीं चीन प्रति हेक्टेयर 1990 किलोग्राम कपास पैदा करता है। पिछले दो दशकों में, भारत में फसल उत्पादन में न्यूनतम प्रगति हुई है। सोयाबीन जैसी फसलों में मामूली सुधार हुआ है। 2010 में सोयाबीन की पैदावार 1006 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर थी, जो 2024 तक बढ़कर 1200 किलोग्राम हो जाएगी। तिलहन उत्पादन 2010 में 1840 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से थोड़ा सुधरकर 2020 तक 1980 किलोग्राम हो गया। दालों में भी मामूली वृद्धि हुई, जो 2010 में 625 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 2020 तक सिर्फ़ 776 किलोग्राम रह गई। भारत की कृषि पैदावार वैश्विक मानकों से बहुत नीचे है। उदाहरण के लिए, जहाँ भारत प्रति हेक्टेयर 479 किलोग्राम कपास पैदा करता है, वहीं चीन प्रति हेक्टेयर 1990 किलोग्राम पैदा करता है। इसी तरह, जहाँ अमेरिका प्रति हेक्टेयर 11, 000 किलोग्राम मक्का उगाता है, वहीं भारत की पैदावार 6100 किलोग्राम है। ब्राज़ील की सोयाबीन की पैदावार 3600 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है, जबकि भारत की पैदावार सिर्फ़ 1200 किलोग्राम है। पैदावार में यह असमानता एक गंभीर मुद्दे को उजागर करती है। एक अंतरराष्ट्रीय साजिश भारत में आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) तकनीक को अपनाने से रोकती हुई प्रतीत होती है, एक ऐसा समाधान जो फसल उत्पादन को 100% से 150% तक बढ़ा सकता है। यदि भारत जीएम तकनीक को अपनाता है, तो यह वैश्विक कृषि नेता के रूप में उभर सकता है, कम लागत पर अधिक उत्पादन कर सकता है, और वैश्विक कृषि व्यापार पर हावी हो सकता है। हालाँकि, गलत सूचना और अंधविश्वास जीएम फसलों के खिलाफ बदनामी अभियान को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे यह प्रगति बाधित हो रही है।

1986 से, भारत सरकार ने जीएम अनुसंधान के लिए मंजूरी दी है और धन आवंटित किया है। कई कृषि विश्वविद्यालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) जैसे संस्थान इस क्षेत्र में अनुसंधान कर रहे हैं। एक उल्लेखनीय सफलता दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. दीपक पेंटल द्वारा जीएम सरसों का विकास है, जो फसल उत्पादन को बढ़ाकर और तापमान चरम सीमाओं के प्रति लचीलापन बढ़ाकर भारतीय किसानों को महत्वपूर्ण रूप से लाभान्वित करने की क्षमता रखता है। जीएम बीज कई लाभ प्रदान करते हैं, जैसे कीट प्रतिरोध, उच्च तापमान और भारी वर्षा के प्रति सहनशीलता, और विस्तारित शेल्फ लाइफ। ये लाभ इनपुट लागत को कम करते हैं और अंततः किसानों के मुनाफे को बढ़ाते हैं। जी.एम. शोध की देखरेख करने वाली नियामक संस्था जेनेटिक इंजीनियरिंग अप्रेजल कमेटी (जी.ई.ए.सी.) केंद्रीय सरकारी अधिकारियों और प्रमुख वैज्ञानिकों की देखरेख में काम करती है। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में, जहाँ भारतीय किसानों को अपने अंतरराष्ट्रीय समकक्षों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी है, आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाना बहुत ज़रूरी है। बढ़ती फ़सल उत्पादन की ज़रूरत न केवल घरेलू खपत के लिए है, बल्कि पशु आहार और इथेनॉल तैयार करने के लिए भी है, क्योंकि आबादी के साथ-साथ इसकी माँग भी बढ़ती जा रही है।

कृषि क्षेत्र को उसी स्तर के निवेश और तकनीकी उन्नति की ज़रूरत है, जो रक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों को दी गई है। इसकी तुलना में, भारतीय सैनिक दुनिया भर के हथियारों का इस्तेमाल करते हैं और उपभोक्ताओं के पास वैश्विक स्तर पर निर्मित कारों, इलेक्ट्रॉनिक्स और दवाओं तक पहुँच है। फिर भी, कृषि क्षेत्र पुरानी नीतियों से बंधा हुआ है, जो जी.एम. बीजों जैसी अत्याधुनिक तकनीक को अपनाने से रोकती हैं। उदाहरण के लिए, चीन के किसानों ने जी.एम. तकनीक का उपयोग करके प्रति हेक्टेयर 1900 किलोग्राम कपास की पैदावार हासिल की है, जबकि अमेरिकी किसान जी.एम. बीजों के उपयोग से प्रति हेक्टेयर 11, 000 किलोग्राम मक्का पैदा करते हैं। इसके विपरीत, भारतीय किसानों ने केवल मामूली उपज में सुधार देखा है, पिछले 20 वर्षों में प्रति हेक्टेयर केवल 450 किलोग्राम कपास का उत्पादन किया है। चीन और अमेरिका की सफलता की कहानियां यह स्पष्ट करती हैं कि जीएम बीजों में पैदावार में उल्लेखनीय सुधार, लागत कम करने और खेती को अधिक टिकाऊ बनाने की क्षमता है। जीएम तकनीक कीट प्रतिरोध से परे कई तरह के लाभ प्रदान करती है। यह फसलों को अत्यधिक गर्मी और वर्षा जैसी कठोर मौसम की स्थिति को सहने में मदद करती है। फ्रांस, जर्मनी और इटली जैसे यूरोपीय देश अमेरिका और ब्राजील से सालाना लाखों टन पशु चारा और मांस आयात करते हैं, जहां जीएम फसलों की व्यापक रूप से खेती की जाती है। भारत में, सरकार ने 2002 में जीएम बीटी कपास को मंजूरी दी।

आशाजनक संभावनाओं के बावजूद, गलत सूचना और निराधार आशंकाओं के कारण जीएम तकनीक का विरोध जारी है। यह महत्वपूर्ण है कि भारत के नीति निर्माता उन्नत कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित करें, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भारतीय किसान वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धा कर सकें और अधिक लाभ कमा सकें। निष्कर्ष के तौर पर, भारतीय कृषि में क्रांति लाने के लिए जीएम तकनीक की क्षमता को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। सही नीतियों और जन जागरूकता के साथ, भारत अपनी कृषि स्थिरता को दूर कर सकता है, फसल की पैदावार बढ़ा सकता है और वैश्विक कृषि व्यापार में एक मजबूत स्थिति हासिल कर सकता है। अब समय आ गया है कि पुरानी आशंकाओं से आगे बढ़कर उन तकनीकी प्रगति को अपनाया जाए जो भारतीय किसानों को सफलता की ओर ले जा सकती हैं।

Invitin.g Shopperr's

Design Your Dream Attire

- Couture, Clothing & Designer Fabrics
- Rental Wedding, Lehengas, & Gowns
- Exclusive Nail Art
- Designer Mehandi
- Cosmetics

B-20/11, Double Storey, Ramesh Nagar, Delhi | Mob.: 9911294429, 011-45294429

SINCE 1975
KARAN'S
VAISHNO DHABA
MOUTH WATERING CUISINES
Lunch: 11:30am to 4.00pm * Dinner: 7.00pm to 11.00 pm
Food Without Onion & Garlics On Every Navratra
Note:
Please allow extra time for delivery on Suturday, Sunday and Holiday
Rates are subject to change without prior notice
Minimum delivery time 30 min. to 45min
All the items may not be available at all the time
Home delevery charged rs. 20. - within 1km
Home Delevery
8700965740, 9871558873, 9212598873
Spl. In Outdoor Catering

S.B. Malik (Jaggu Ji)
9311906362
011-41421363
Prince Realtech & Developers
SALE
PURCHASE
RENTING
COLLABORATION
AGRICULTURE LAND
FARM LAND
RESIDENTIAL
COMMERCIAL
INDUSTRIAL
B-121AC, Mansarover Garden, New Delhi-110015

We Positive Care
We Positive Care
Chitragupt Foundation
C186 A , 4th floor hari nagar clock tower, Pincode 110064

Punnu Biriyani
M:- 093134 07108
punnubiriyani.com
Free Home Delivery
011-25119013, 41447298, 25446671
(Jhatka Used Here)
Note- For Franchise Inquiry, call- 9313407108
DDA LIG Market, Near Cambridge Foundation School, Rajouri Garden, New Delhi, Delhi 110027
Takeout / Delivery Open Closes 23:30

श्री राधे
श्री गणेशाय: नम:
श्री राधिका ज्योतिष शोध संस्थान
ज्योतिष, वास्तु अंक विद्या, हस्त रेखा व लाल किताब, पीली किताब द्वारा सभी समस्याओं का समाधान
शादी या सन्तान नही होना, नौकरी नही लगना, व्यापार नही चलना शारीरिक परेशानी या गृह कलेश रहना व अजीब घटनाओं का घटना
आपकी कुण्डली में घटित मांगलिक दोष, ग्रहण दोष व काल सर्प दोष व अन्य सभी दोषों के समाधान के लिए सम्पर्क करें।
सभी प्रकार के वैदिक अनुष्ठानों के लिए सम्पर्क करें।
Pt. S.K. Sharma, Vedic Astrolger n Healer!

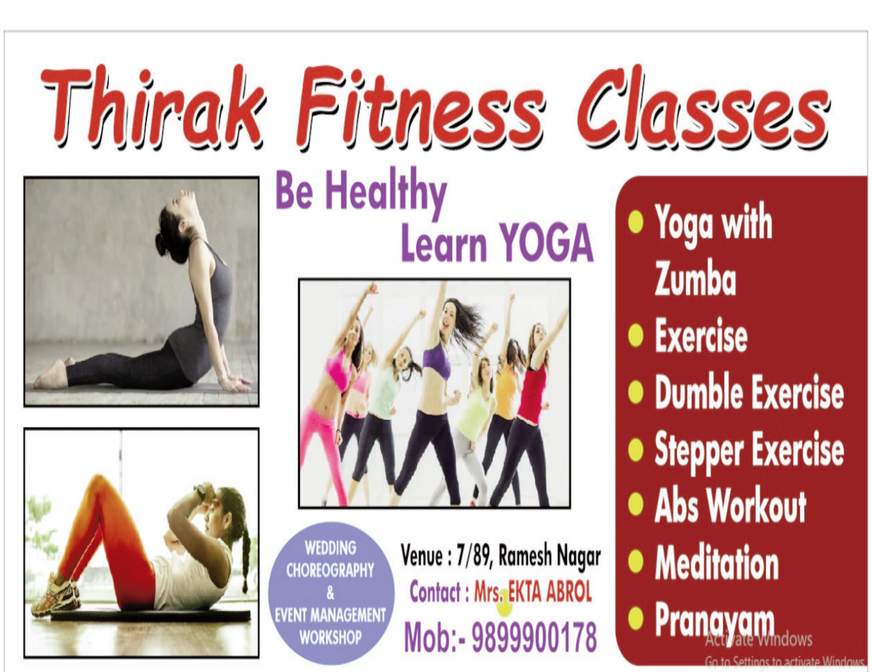
Thirak Fitness Classes
Be Healthy
Learn YOGA
Yoga with Zumba
Exercise
Dumble Exercise
Stepper Exercise
Abs Workout
Meditation
Pranayam
WEDDING CHOREOGRAPHY & EVENT MANAGEMENT WORKSHOP
Venue : 7/89, Ramesh Nagar
Contact : Mrs. EKTA ABROL
Mob:- 9899900178

फीजियोथिरेपी सेन्टर
आधुनिक मशीनों से युक्त व कुशल डॉक्टर की देख रेख में चल रहा है।
समय: प्रात 9 बजे से 12 बजे तक एवं सायं 5 बजे से 7 बजे तक
रविवार अवकाश
कीर्ति नगर श्री सनातन धर्म सभा (पंजी.)
गीता भवन, कीर्ति नगर, नई दिल्ली- 110015

दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्र संघ चुनाव की मतगणना को मिली अनुमति

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के लिए हुए चुनाव की मतगणना की अनुमति दे दी है। चीफ जस्टिस मनमोहन की अध्यक्षता वाली बेंच ने दिल्ली यूनिवर्सिटी को निर्देश दिया कि वो 26 नवंबर तक मतगणना की प्रक्रिया पूरी करे। हाईकोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक संपत्तियों की एक हफ्ते के अंदर सफाई और पेंटिंग हो। हाईकोर्ट ने कहा कि छात्र संघ का चुनाव लड़ रहे वर्तमान उम्मीदवारों और भविष्य के उम्मीदवारों की ये जिम्मेदारी है कि वो यूनिवर्सिटी के इंफ्रास्ट्रक्चर को साफ और बेहतर बनाकर रखे।

बता दें कि दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव की मतगणना पर मतगणना रोक लगी हुई थी, आज दिल्ली हाई कोर्ट में इस पर सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस मनमोहन की अध्यक्षता वाली बेंच ने सुनवाई की। इससे पहले हाईकोर्ट ने 28 अक्टूबर को भी मतगणना की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने सफाई के संबंध में ताजा स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता और वकील प्रशांत मनचंदा ने हाईकोर्ट को उन उम्मीदवारों की सूची सौंपी थी जिन्होंने चुनाव के दौरान सार्वजनिक संपत्तियों को विरुपित किया था।

हाईकोर्ट ने सभी उम्मीदवारों को निर्देश दिया था कि खराब की गई सार्वजनिक संपत्तियों की सफाई करें। कोर्ट ने उम्मीदवारों को निर्देश दिया था कि वे न केवल कॉलेज और यूनिवर्सिटी कैंपस की ही सफाई करें बल्कि शहर में उन स्थानों की भी सफाई कराएं जहां गंदगी फैलाई गई है। कोर्ट ने सभी उम्मीदवारों को निर्देश दिया था कि वे इस बात का हलफनामा दाखिल करें कि उन्होंने सार्वजनिक संपत्तियों की सफाई कर दी है। उम्मीदवार सफाई संबंधी फोटो भी कोर्ट में दाखिल करें।

कोर्ट का सफाई संबंध में ताजा स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश

इसके अलावा हाईकोर्ट ने सभी उम्मीदवारों को निर्देश दिया था कि वे इस बात का भी हलफनामा दें कि वे भविष्य में सार्येवजनिक संपत्तियों का गंदा नहीं करेंगे। बता दें कि कोर्ट ने 21 अक्टूबर को भी कहा था कि जब तक सार्वजनिक संपत्ति साफ नहीं हो जाती तब तक दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के लिए हुए चुनाव की मतगणना की इजाजत नहीं दी जा सकती है। कोर्ट ने दिल्ली मेट्रो और दिल्ली पुलिस से सफाई के संबंध में ताजा स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था।

क्या है पूरा मामला

सुनवाई के दौरान वकील प्रशांत मनचंदा ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के उस दावे को चुनौती दी थी जिसमें कहा गया था कि 90 फीसदी सार्वजनिक संपत्तियों को साफ कर दिया गया है। तब कोर्ट ने कहा था कि हम उनके खिलाफ कार्रवाई शुरु कर सकते हैं जिन्होंने सार्वजनिक संपत्तियों को गंदा किया है।

हाईकोर्ट ने 9 अक्टूबर को भी कहा था कि जब तक सार्वजनिक संपत्ति साफ नहीं हो जाती तब तक दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के लिए हुए चुनाव की मतगणना की इजाजत नहीं दी जा सकती है। कोर्ट ने छात्र नेताओं से कहा था कि हम नतीजे रोक कर रखना नहीं चाहते हैं। आप सार्वजनिक संपत्ति को साफ कर दें, फिर से पेंट करा दें, हम अगले दिन काउंटिंग करा देंगे। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा था कि दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव में मुफ्त खाना बांटा जा रहा था, ऐसा हमने आम चुनाव में भी नहीं देखा। छात्र संघ चुनाव में आम चुनाव से भी ज्यादा पैसा खर्च हुआ है। यह लोकतंत्र का उत्सव है, यह मनी लांड्रिंग का उत्सव नहीं है। 26 सितंबर को हाईकोर्ट ने मतगणना पर रोक लगा दी थी।

दिल्ली यूनिवर्सिटी को करनी होगी भरपाई

हाईकोर्ट ने दिल्ली यूनिवर्सिटी और सभी कॉलेज प्रशासन को निर्देश दिया था कि वे मतदान के बाद ईवीएम और बैलेट बॉक्स को अगले आदेश तक सुरक्षित और संरक्षित रखें। हाईकोर्ट ने कहा था कि जितनी भी सार्वजनिक संपत्ति को गंदा किया गया है, उसकी सफाई में आने वाली लागत की भरपाई दिल्ली यूनिवर्सिटी को करनी होगी। हाईकोर्ट ने कहा था कि दिल्ली यूनिवर्सिटी बाद में इस पैसे की भरपाई चुनाव लड़ने वाले उन उम्मीदवारों से कर सकती है, जिन्होंने उक्त अपराध किया है।

सख्त एक्शन लेना चाहिए

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पूछा था कि क्या कोई रिकॉर्ड है कि चुनाव में कितना पैसा इस्तेमाल किया जा रहा है। हाईकोर्ट ने कहा था कि पोस्टर दीवारों और सड़कों पर लगाए जा रहे हैं। इस तरह से पैसा को बर्बाद नहीं होने देना चाहिए। आपको इसके लिए सख्त एक्शन लेना चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा था कि जिन उम्मीदवारों के नाम के पोस्टर लगे हुए है उन पोस्टरों को हटाने के पैसे उनसे ही वसूला जाए। यह चुनाव कोई अकेले नहीं लड़ रहा है बल्कि चुनाव में संगठन शामिल हैं।

द्वारका में सब्जी विक्रेता की हत्या के मामले में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका जिले के द्वारका नॉर्थ इलाके में एक सब्जी विक्रेता की हत्या के मामले में पुलिस ने प्रशांत और अमन सिद्दीकी नामक दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी 9 अक्टूबर को की गई। इनके पास से पिस्तौल और जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। द्वारका जिले के डीसीपी अंकित सिंह ने सोमवार को बताया कि 23 अक्टूबर को द्वारका नॉर्थ इलाके में सब्जी विक्रेता को गोली मारी गई थी। हालांकि अस्पताल में उपचार के दौरान सब्जी विक्रेता की मौत हो गई थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद संबंधित धारा में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। एंटी नारकोटिक्स सेल के इंचार्ज इंस्पेक्टर सुभाष की टीम को भी जांच में लगाया गया। सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के बाद पुलिस टीम ने आरोपितों की पहचान की।

टाइटलर ने उच्च न्यायालय से निचली अदालत में सुनवाई पर रोक लगाने का अनुरोध किया

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर ने उच्च न्यायालय से 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान उत्तरी दिल्ली के पुलबंगश इलाके में तीन लोगों की हत्या से जुड़े एक मामले में उनके खिलाफ निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने का अनुरोध किया।

टाइटलर के अधिवक्ता ने कहा कि इस मामले को मंगलवार को एक निचली अदालत में अभियोजन पक्ष के गवाह के बयान दर्ज करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है और संबंधित अदालत को यह निर्देश दिया जाए कि जब तक उच्च न्यायालय उनके खिलाफ हत्या एवं अन्य अपराधों के आरोप तय करने को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला नहीं लेता, तब तक मामले में सुनवाई न की जाए।

न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने पहले टाइटलर को कुछ अतिरिक्त दस्तावेज दखिल करने के लिए वक्त दिया था। उन्होंने कहा कि दस्तावेज दाखिल कर दिए गए हैं लेकिन वे रिकॉर्ड में नहीं हैं। उच्च न्यायालय ने रजिस्ट्री को दस्तावेजों को आज ही रिकॉर्ड में रखने और दोपहर को इस मामले पर सुनवाई करने का निर्देश दिया।

टाइटलर की उनके खिलाफ आरोप तय करने को चुनौती देने वाली याचिका पहले ही 29 नवंबर को उच्च न्यायालय में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध की जा चुकी है और इसके लंबित रहने के दौरान टाइटलर ने मामले की सुनवाई पर रोक लगाने का अनुरोध करते हुए याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि अभियोजन पक्ष की गवाह लोकेंद्र कौर की गवाही निचली अदालत ने दर्ज कर ली है और बचाव पक्ष का वकील 12 नवंबर को उनसे जिरह करेगा।

जीवन में प्रसन्नता के लिए सकारात्मक सोच आवश्यक

इस दौड़-धूप भरी जिंदगी में आदमी सदैव विचारवान बना रहता है। विचार हमेशा हमारे मन-मस्तिष्क में लगातार आते रहते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि हम अपनी सोच का तरीका बदलकर अपने जीवन को बदल सकते हैं। जीवन में अनेक आमूलचूल परिवर्तन ला सकते हैं और जीवन को सुंदर, सफल बना सकते हैं। आज आदमी हर बात को लेकर ओवरथिंकिंग करता है और यह ओवरथिंकिंग हमें अनेक समस्याओं से घेर लेती है। हम तनाव और अवसाद के शिकार हो जाते हैं। हम खुश नहीं रह पाते और जीवन हमें बोझ सा लगने लगता है। हमें ओवरथिंकिंग(बहुत अधिक सोचने) की अपनी निरंकुश सोच पर लगाम लगाने की कोशिश करनी चाहिए और स्वयं को सकारात्मक दिशा में ले जाने का प्रयास करना चाहिए और यह हम आसानी से कर सकते हैं। हम अपनी सोच से इस देश, इस समाज और स्वयं तक को बदल सकते हैं। इसलिए जब भी हम कुछ सोचें स्पष्ट सोचें। हम अपनी सोच से हमारे मस्तिष्क को सकारात्मक और मजबूत बनाएं। सकारात्मक और नकारात्मक सोचने का फैसला हमारे ही हाथों में है। किसी दूसरे के हाथों में नहीं। हम नकारात्मक क्यों सोचें? स्वयं को सकारात्मक होने का प्रशिक्षण दें। सोचने की प्रक्रिया आजीवन चलने वाली प्रक्रिया होती है। नकारात्मक सोच-सोच कर हम स्वयं को क्यों प्रभावित करें? नकारात्मक ऊर्जा हर तरफ बिखरी पड़ी हुई है। हम स्वयं को नकारात्मक लोगों, नकारात्मक सोच से दूर रखें। प्रकृति में रम-बस कर अपने मन-मस्तिष्क को मजबूत करें। हमारा दृष्टिकोण, हमारी सोच स्वयं हम पर निर्भर करती है। अक्सर हम सोचते हैं, खूब चिंता करते हैं, तनावग्रस्त होते हैं और घबरा जाते हैं। दरअसल, हम अपने मस्तिष्क को नकारात्मक सोच से किसी मकड़ी के जाले सदृश्य स्वयं ही तो उलझाते है। हम इस मकड़ी नुमा जाले से स्वयं को बाहर निकालें। स्वयं को अधिकाधिक व्यस्त रखें। प्रकृति के सानिध्य में रहते हुए पहाड़ों, फूलों, पशु-पक्षियों, झरनों, नदी-नालों, प्राकृतिक छटाओं, वादियों, हमारे आस-पास बिखरे प्राकृतिक सौंदर्य, वनस्पतियों से बातचीत करें। ब्रह्मांड में सकारात्मकता भी है और नकारात्मकता भी। हम इस ब्रह्मांड से सकारात्मक ऊर्जा को चुनें। यकीन मानिए मनुष्य के 99% विचार बेकार ही होते हैं। मनोवैज्ञानिक विलियम जेम्स कहते थे बहुत से लोग समझते हैं कि वे सोच रहे हैं, जबकि वे केवल अपने पूर्वाग्रहों को फिर से व्यवस्थित कर रहे होते हैं। लेकिन यह व्यवहारिकता नहीं है, क्योंकि हमारे दिमाग को हमारे हित में काम करना चाहिए, उसके विरुद्ध नहीं। अगर दिमाग हमारे विरुद्ध काम कर रहा है, तो यह कभी भी ठीक नहीं हो सकता। हम स्वयं को नियंत्रित करें और अपने मन को बांधना सीखें जो लोग मन पर नियंत्रण नहीं रखते, वे समझते हैं कि वे सोचे बिना नहीं रह सकते।

क्या आप सोचते हैं कि यदि हम ज्यादा सोचेंगे, चिन्तन-मनन करेंगे तो हम चीजों पर काबू पा सकेंगे? हमारी यह सोच बहुत ही ग़लत है। अधिक चिंतन-मनन से किसी चीज़ का समाधान संभव नहीं होता। हम शान्त मन से सोचें, स्वयं को नियंत्रित करें, भावनाओं में नहीं बहें। वास्तव में हमें यह याद रखने की जरूरत होती है कि, हम क्या, कैसे और किस प्रकार से सोचते हैं, यह तय करने की क्षमता हमारे स्वयं में ही है। हमें यह चाहिए कि हम ज्यादा सोच-विचार करें ही नहीं, शान्ति से बैठ जाएं। अपने मस्तिष्क को आराम दें। विचारों को कभी भी अपने ऊपर हावी न होने दें। अक्सर हम चिंता, तनाव और व्यर्थ के विचारों से भरे होते हैं। हम उन चीजों से घबरा जाते हैं, जिन्हें हम नियंत्रित नहीं कर सकते, और कभी-कभी तुरंत ही उनके आदर्श समाधान ढूंढना चाहते हैं, जिससे हम और अधिक तनावग्रस्त हो जाते हैं। इन सबका एक ही समाधान है कि हम सीधा और तेज सोचें। आप अपने सोचने का तरीका बदलेंगे, तो हमारी दुनिया भी बदल जाएगी। हमारी सोच उपयोगी होनी चाहिए। वास्तव में हमारा फोकस अच्छी चीजों पर होना चाहिए। हमें यह चाहिए कि हम केवल और केवल उन्हीं चीजों के बारे में सोचें, जिन पर हमारा नियंत्रण है। जिन चीजों पर हमारा नियंत्रण ही नहीं है उन पर सोचकर समय खराब करके आखिर क्या फायदा? हमें यह चाहिए कि हम अपनी इंद्रियों का उपयोग बड़ी देखभाल कर करें। सबसे बड़ी बात होती है कि हमारा मन जब बाहर से बहुत सारी सूचनाएं एकत्रित कर लेता है फिर उसी के अनुसार ही वह काम भी करता है। तो हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि जो भी सूचनाएं आये वो सकारात्मक हो, नकारात्मक नहीं। सकारात्मक सोच जीवन में प्रसन्नता लाती है। हमें यह चाहिए कि हम अच्छे वातावरण में रहें। अच्छा साहित्य पढ़ें। अच्छे व्यवहार को अपनाएं। अच्छा संगीत सुनें। याद रखिए कि जैसी हमारी सोच होती है दूसरे लोग हमें वैसे ही दिखाई देते हैं।

सर्दी-खांसी ने जकड़ लिया है, तो बिना दवाई के इन 5 उपायों से होगा ठीक

ठंड का मौसम आने वाला है ऐसे में सर्दी-खांसी और जुकाम होना आम बात है। सर्दियों के दौरान एक बार तो वातावरण में मौजूद ठंडक, हवा में नमी और वायु प्रदूषण के कारण खांसी, सर्दी, जुकाम, कफ और गले में खराश में होने की समस्या आम बात है। आती हुई सर्दी में खांसी-जुकाम जरुर होता है। वैसे तो दवाईयो के खाने से छुटकारा मिल जाता है, लेकिन ज्यादा दवाई के सेवन से शरीर को नुकसान होता है। इसके जगह आप घरेलू उपाय के जरिए सर्दी-खांसी और जुकाम से छुटकारा पा सकते हैं। अगर आप भी सर्दी-खांसी से परेशान हैं तो इन 5 उपायों के करने से निजात पा सकते हैं।

अदरक और शहद

अदरक में एंटीवायरल और एंटीबायोटिक गुण होते हैं, जो वायरल इंफेक्शन से लड़ने में मदद करती है। इसके साथ ही शहद गले की सूजन को दूर करने के लिए काम करता है। इस उपाय को करने के लिए आप एक कप गुनगुने पानी में आध चम्मच अदरक का रस और एक चम्मच शहद मिलाकर पिएं। इस उपाय को आप दिन में दो-तीन बार कर सकते हैं। आपको काफी राहत मिलेगी।

तुलसी और काली मिर्च

तुलसी में एंटीबायोटिक गुण मौजूद होते हैं। इसके साथ ही काली मिर्च खांसी को कम करने में मदद करता है। एक कप गुनगुने पानी में कुछ तुलसी के पत्ते और 2-3 काली मिर्च डालकर उबालें। अब आप इसे छानकर पिएं। यह जिद्दी से जिद्दी खांसी और गले की खराश में राहत देगा।

गर्म पानी से भाप लें

यदि आपको सर्दी और खांसी के साथ ही नाक बंद है, तो आप इस समस्या से बचने के लिए भाप लें सकते हैं। इसके लिए आप एक कटोरे में गर्म पानी लें और फिर उसमें सिर को झुका कर तौलिया से ढक लें। भाप को आपको 1 या 2 मिनट तक जरुर लें। ऐसा करने से आपकी नाक खुल सकती है और साथ ही गले की सूजन दूर होती है और खांसी में भी आराम मिलेगा।

हल्दी वाला दूध

सर्दी-खांसी की समस्या से बचने के लिए हल्दी वाला दूध सबसे फायदेमंद होता है। एक गिलास गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी डालकर अच्छे से मिला लें और सोने से पहले इसे पिएं। इससे आपको काफी राहत मिलेगी और साथ ही इम्यून सिस्टम भी मजबूत होगा।

नींबू और गर्म पानी

शरीर को इम्यून करने के लिए नींबू सबसे बढ़िया है क्योंकि इसमें विटामिन सी होता है। गर्म पानी में नींबू का रस डालें। इससे आपके गले की खराश दूर होगी। साथ ही सर्दी और खांसी की समस्या दूर होगी।

BDS® since 1975
MATTRESS HI MATTRESS
Hush,
Serta,
Kingkoil,
Simmons
Nilkamal,
Therapedic

World Class Mattresses
BDS®
Visit: 79/3, W.H.S. Kirti Nagar, Delhi - 110015
Ms. Parvinder Kaur
9560509507

सेंचुरियन में खेला जाएगा भारत-साउथ अफ्रीका का तीसरा टी20I

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम की नजरें साउथ अफ्रीका को रौंदकर चार मैचों की टी20I सीरीज में बढ़त लेना चाहेगी। टीम इंडिया को दूसरे टी20I मैच में साउथ अफ्रीका से 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। अभी सीरीज 1-1 की बराबरी पर है। अब तीसरा टी20I मैच 13 नवंबर को खेला जाना है, जिसके लिए टीम इंडिया सेंचुरियन पहुंच चुकी है। बीसीसीआई ने अपने एक्स पर तस्वीरें शेयर की है, जिसमें सभी खिलाड़ी नजर आ रहे हैं।

दरअसल, मौजूदा समय में टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के खिलाफ चार मैचों की टी20I सीरीज खेल रही है। पहले टी20 मैच में सूर्या एंड कंपनी को 61 रन से जीत मिली थी। दूसरे टी20I मैच में मेजबान साउथ अफ्रीका ने 3 विकेट से भारत को धूल चटाई थी। दोनों टीमें सीरीज में 1-1 की बराबरी पर है। अब तीसरे टी20I मैच के लिए टीम इंडिया सेंचुरियन पहुंच गई है।

बीसीसीआई द्वारा शेयर की गई फोटो में देखा जा रहा है कि सभी खिलाड़ी एयरपोर्ट और फ्लाइट में मस्ती-मजाक कर रहे हैं। कोच वीवीएस लक्ष्मण भी टीम के संग नजर आए। कप्तान सूर्या से लेकर अक्षर-संजू समेत सभी खिलाड़ियों के चेहरे मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं, जबकि टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या सीरियस अंदाज में नजर आ रहे हैं।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20I मैच कुल 29 खेले गए हैं, जिसमें मैन इन ब्लू ने 16 मैचों में जीत हासिल की है, जबकि साउथ अफ्रीका की टीम को 12 मैचों में जीत मिली है, जबकि 2018 का एक मैच बेनतीजा रहा।

संभावित प्लेइंग इलेवन

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, रमनदीप सिंह, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, विजय कुमार वैशाक, अर्शदीप सिंह।

दोनों टीमें इस प्रकार-

भारत- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह।

साउथ अफ्रीका- विजयकुमार विशक, आवेश खान, यश दयाल। एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, जेराल्ड कोएत्ज़ी, डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, पैट्रिक क्रूगर, केशव महाराज, डेविड मिलर, मिहलाली मपोंगवाना, नकाबा पीटर, रयान रिकेल्टन, एंडिले सिमलेन, लूथो सिपाम्ला, ट्रिस्टन स्टब्स।

सुमा शिरूर ने जीता महिला कोच ऑफ द ईयर का पुरस्कार

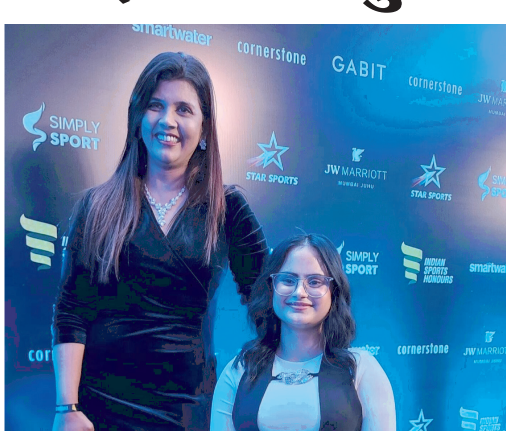

मुंबई। ओलंपियन और भारतीय शूटिंग टीम की पूर्व मुख्य कोच, सुमा शिरूर को इंडियन स्पोर्ट्स ऑनर्स 2024 में महिला कोच ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह समारोह कॉर्नरस्टोन स्पोर्ट द्वारा आयोजित किया गया था।

सुमन शिरूर, जो किसी भी ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला भी हैं , को पेरिस ओलंपिक्स और पैरालिंपिक्स में भारतीय शूटिंग टीम को सफलता की ओर ले जाने और भारतीय खेलों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए उनके समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार समारोह में देश के प्रमुख एथलीटों, कोचों और खेल हस्तियों का जमावड़ा हुआ, जिसमें सुमा शिरूर अपनी उत्कृष्टता के प्रति अडिग प्रयासों के लिए अलग नजर आई। उनके मार्गदर्शन में, भारत के शूटर्स ने तीन ओलंपिक पदक जीते, जिससे वैश्विक मंच पर भारतीय शूटिंग में एक पुनर्जागरण हुआ। खासकर, उनके मार्गदर्शन ने अवनि लेखरा को महिला 10 मीटर इवेंट में दूसरा पैरालिंपिक्स गोल्ड जीतने में मदद की, जिससे शिरूर का एक कोच के रूप में प्रभाव स्पष्ट होता है, जो एथलीटों को अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए प्रेरित करती हैं।

पुरस्कार स्वीकार करते हुए सुमा शिरूर ने अपनी कृतज्ञता व्यक्त की और भारतीय एथलीटों में दृढ़ता और ध्यान केंद्रित करने की संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं है, बल्कि हर एथलीट और टीम के सदस्य का है, जिन्होंने मेरे साथ काम किया। हमारी यात्रा समर्पण से परिभाषित हुई, और यह पुरस्कार भारतीय शूटिंग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के हमारे साझा लक्ष्य को मजबूत करता है।"

इंडियन स्पोर्ट्स ऑनर्स खेलों में उत्कृष्ट उपलब्धियों का जश्न मनाता है, जिसमें 14 अलग-अलग श्रेणियों में शीर्ष एथलीटों, कोचों और टीमों को सम्मानित किया जाता है। इसके प्रतिष्ठित जूरी पैनल का नेतृत्व भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सदस्य अभिनव बिंद्रा ने किया। उनके साथ भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पी.टी. उषा, पूर्व विश्व नंबर एक शूटर अंजलि भागवत; और डिज्नी+ स्टार के स्पोर्ट्स हेड संजोग गुप्ता भी शामिल थे। अन्य जूरी सदस्यों में 2008 ओलंपिक बॉक्सिंग कांस्य पदक विजेता विजेंदर सिंह, 2012 कुश्ती कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त, और पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान सरदार सिंह शामिल थे।

जापान और कोरिया के बीच पहला मैच ड्रॉ

नालंदा। एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी का आगाज राजगीर में हो चुका है। पहले दिन पहला मुकाबला जापान और दक्षिण कोरिया के बीच हुआ। ये टक्कर काफी रोमांचक रही, लेकिन नतीजा ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

बिहार के ऐतिहासिक शहर राजगीर में महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2024 का शुभारंभ हो चुका है। टूर्नामेंट का पहला मैच जापान और कोरिया के बीच खेला गया, जिसमें दोनों टीमों ने 2-2 गोल कर मुकाबले को बराबरी पर खत्म किया।

मैच के बाद जापान की कप्तान ने बताया कि उनकी टीम का होटल वेन्यू से काफी दूर है, जिससे आने-जाने में उन्हें काफी थकान महसूस हो रही है। वहीं, कोरियाई कप्तान ने राजगीर के हॉकी ग्राउंड की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां खेलना एक बेहतरीन अनुभव रहा। पहले दिन का यह मैच टाई रहा, जिससे दोनों टीमों ने अंक शेयर किए।

बिहार के राजगीर में 11 नवंबर से 20 नवंबर तक एशियाई महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होना है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत सहित छह एशियाई देशों की टीमें अपना दमखम दिखाएंगी। टूर्नामेंट में भारत अपना पहला मुकाबला मलेशिया के खिलाफ सोमवार को खेलेगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम इस प्रतियोगिता में एक निराशाजनक वर्ष के बाद प्रवेश कर रही है, जब वह पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही थी। ऐसे में वह साल का अंत यादगार तरीके से करना चाहेगी।

सलीमा टेटे के नेतृत्व में युवा प्रतिभाओं के साथ अनुभवी खिलाड़ियों को मिलाकर एक मिश्रित टीम उतारी गई है। हालांकि, यह इतना आसान नहीं होगा क्योंकि भारत को पांच अन्य देशों से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

न उनके पास शब्द हैं, न तमीज; गंभीर को प्रेस कॉन्फ्रेंस से दूर रखना चाहिए: मांजरेकर

नई दिल्ली। टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस की जिसके बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मशहूर कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने उन्हें लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक विवादित पोस्ट किया है। संजय मांजरेकर के मुताबिक, बीसीसीआई को गौतम गंभीर को प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए भेजना ही नहीं चाहिए। उन्होंने यहां तक कह दिया कि गंभीर को बात करनी नहीं आती, उनकी जगह रोहित या अगरकर को इस काम के लिए भेजना चाहिए।

मुंबई में मुख्य कोच की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद मांजरेकर ने एक्स पर अपनी भड़ास निकाली। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने रोहित शर्मा और विराट कोहली के फॉर्म से लेकर इस महीने की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर मिली शर्मनाक हार तक कई मुद्दों पर बात की। अपने जवाब में गंभीर ने बहुत ही बेबाकी से बातें कहीं, जो मांजरेकर की टिप्पणियों की वजह हो सकती हैं।

मांजरेकर ने पोस्ट में लिखा, "गौतम गंभीर की प्रेस कॉन्फ्रेंस देखी। इसके बाद मुझे लगता है कि उन्हें इस तरह की ड्यूटी से अलग रखना बीसीसीआई के लिए समझदारी वाला फैसला होगा। गंभीर को पर्दे के पीछे ही काम करने दें। उनके (गंभीर के) पास न सही शब्द हैं, न ही सही तमीज है कि वह उनसे बात कर पाएं। मीडिया से बातचीत करने के लिए रोहित और अगरकर सही हैं।"

विराट कोहली के फॉर्म पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर गंभीर ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पर पलटवार करते हुए कहा, "रिकी पोंटिंग का भारतीय क्रिकेट से क्या लेना-देना है? उन्हें ऑस्ट्रेलिया के बारे में बात करनी चाहिए।"

दरअसल, न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में 3-0 की ऐतिहासिक हार के बाद सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करने के बारे में एक पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए गंभीर ने कहा, "इससे मेरे और किसी और के जीवन में क्या फर्क पड़ता है? जब मैंने यह नौकरी संभाली, तो मैंने हमेशा सोचा था कि यह एक बहुत ही कठिन काम होने वाला है और साथ ही एक बहुत ही प्रतिष्ठित काम भी। ईमानदारी से, मुझे नहीं लगता कि मैं दबाव महसूस कर रहा हूं क्योंकि मेरा काम पूरी तरह से ईमानदार होना है। नतीजे कभी हमारे पक्ष में होते हैं और कभी नहीं। इसलिए, हमें अब अगली सीरीज पर फोकस करना है।"

संजय मांजरेकर ने जिस तरह से खुलकर गौतम गंभीर पर सवाल उठाए हैं, उसके बाद विवाद होना निश्चित नजर आ रहा है।

आइडल की स्टार कलाकार स्नेहा शंकर ने अपने भावपूर्ण परफ़ॉर्मेंस से सभी की आंखों को नम कर दिया

इस वीकेंड, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर इंडियन आइडल सीज़न 15 'ग्रैंड म्यूज़िकल धमाका' के साथ मंच पर धूम मचाने के लिए तैयार है। सम्मानित जजों, बादशाह, श्रेया घोषाल और विशाल ददलानी ने सावधानीपूर्वक टॉप 15 प्रतियोगियों को चुना है, जिन्होंने अपनी असाधारण प्रतिभा और 'प्लेफ्रंट' परफ़ॉर्मेंस से सभी को प्रभावित किया है।

ऐसी ही एक प्रतियोगी, स्नेहा शंकर प्रसिद्ध भारतीय फिल्म म्यूज़िक डायरेक्टर और सिंगर, राम शंकर की बेटी हैं, जिन्हें इंडियन आइडल की "स्टार कलाकार" के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने ऑडिशन के दौरान न केवल दिल बल्कि प्लैटिनम माइक भी जीता, और टॉप 15 में अपनी जगह पक्की की। आगामी एपिसोड में "याद पिया की आए" गाने पर उनके असाधारण परफ़ॉर्मेंस ने जजों की आंखों में आंसू ला दिए।

श्रेया घोषाल ने टिप्पणी की, "आप गिफ्टेड हैं, और आपको यह जल्द ही पता चल जाएगा। बहुत समय के बाद, कोई महिला सिंगर आई है जिसने ठुमरी गाई है; मेरी आंखों में आंसू आ गए क्योंकि आपके गायन में वास्तविक भावना है, और यह कॉम्बिनेशन बहुत ही कम देखने को मिलता है। बेगम अख्तर जी और मधुरानी जी थीं, जो गज़ल की प्रसिद्ध कलाकार थीं, और अब स्नेहा शंकर हैं, जो नई पीढ़ी की आइकन होंगी। आपने बहुत अच्छा गाया, परफेक्ट नज़ाकत के साथ। यहां मौजूद हर कोई स्तब्ध था। आप लेजेंड बनने वाली हैं।"

विशाल ददलानी बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने कहा, "मैं इस शो में छह सीज़न से हूं, और ऐसे कुछ ही पल रहे हैं जब संगीत खुद स्टेज पर होता है; मतलब गायक या गायिका दिखते नहीं है पर सिर्फ संगीत से बात होती है, डायरेक्टली, और यह हमें याद दिलाता है कि हम संगीतकार क्यों बने। आप मुझे इससे बेहतर उपहार नहीं दे सकती थी। मैं आभारी हूं। हमने आपको बचपन से देखा है, हमें पता था कि आप अच्छा गाएंगी, लेकिन आज आपने जो किया वह असाधारण था। आपने अपनी रोशनी से सबको जगमगा दिया। सचमुच, धन्यवाद।" श्रेया घोषाल ने आगे तारीफ करते हुए कहा, "ऐसे कुछ ही परफ़ॉर्मेंस होते हैं जिन्हें कई सीज़न के बाद भी याद किया जाता है। यह उन कुछ परफ़ॉर्मेंस में से एक होगा। जब स्नेहा शंकर एक बड़ा नाम बन जाएंगी, तो हम गर्व से कहेंगे कि यह पहला स्टेज था जहां से उन्होंने शुरुआत की थी।"

कौन बनेगा करोड़पति 16 में, अमिताभ बच्चन ने उत्कर्ष को परफेक्ट गोल रोटियां बनाने के टिप्स दिए

कौन बनेगा करोड़पति 16 के जूनियर्स सप्ताह में, महाराष्ट्र के हिंगोली के युवा प्रतियोगी उत्कर्ष वासुदेव मुले अपने मज़ेदार व्यक्तित्व और कुकिंग के प्रति अपने जुनून से सभी का ध्यान खीचेंगे। मशहूर शेफ संजीव कपूर के बहुत बड़े प्रशंसक, उत्कर्ष को शो में एक स्पेशल वीडियो कॉल के ज़रिये उनसे बात करने का मौका मिलता है। बातचीत जल्द ही विचारों के एक चंचल और अनुभवों से भरे संवादों में बदल जाती है, जिससे दर्शकों को कुलिनरी की दुनिया के प्रति उत्कर्ष की जिज्ञासा और उत्साह का पता चलता है।

एक सुखद पल में, उत्कर्ष ने शेफ कपूर से कुछ सवाल पूछे जो कुकिंग में उनकी रुचि को दर्शाते हैं। पहला सवाल प्रसिद्ध वाक्यांश "नमक स्वाद अनुसार" के बारे में था, जिसे शेफ कपूर अक्सर अपनी रेसिपी में इस्तेमाल करते हैं। मुस्कुराते हुए, शेफ कपूर ने मज़ाकिया अंदाज़ में जवाब दिया, "मैंने इसे अब बदल दिया है! मैं कहता हूं 'नमक सेहत अनुसार' क्योंकि लोगों ने बहुत अधिक नमक डालना शुरू कर दिया है!" यह मस्ती जारी रहती है क्योंकि उत्कर्ष परफेक्ट गोल रोटियां बनाने के तरीके के बारे में पूछते हैं, क्योंकि वह रसोई में इस चुनौती से जूझते हैं। इससे पहले कि शेफ कपूर अपनी सलाह दे सकें, अमिताभ बच्चन अपने विशिष्ट विनोद के साथ आगे आते हैं और सुझाव देते हैं, "मैं बता सकता हूं इसका जवाब। अपनी रोटी को आकार देने के लिए 'हांडी' (खाना पकाने के बर्तन) के शेप का इस्तेमाल करें! सही कह रहा हूं कि नहीं?"

स्वामिधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक सुषमा शर्मा द्वारा दिव्य ऑफसेट प्रिंटर्स, बी-1422 दुर्गा मंदिर, न्यू अशोक नगर, नई दिल्ली-110096 से मुद्रित कराकर बी-5/184, रोहिणी सेक्टर-11 नई दिल्ली से प्रकाशित।
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के उत्तरदायी। RNI No. DELHIN/2013/48040, संपर्क 8826286868